We Rise by Lifting Others
SAVLI CPF

tHE tAKE oFF

A Karunya Trust Children Parliament Federation Publication

एकता बाल संसद
ज्ञानसाथी

Vol.: 3 - Issue: 1 - June 2019 | PRIVATE CIRCULATION ONLY | WE RISE BY LIFTING OTHERS...

Supported by Karunya Trust and Deutsche Bank

SAVLI

शिक्षा

सामाजिक समस्याओं की शुरुआत भिन्न भिन्न विचारो ,सोच तथा संस्कृतियो से उत्पन्न होती है। भारत यह विविधताओ का देश है भारत मे भिन्न भिन्न प्रांत ,भाषा ,संस्कृति है। समाज की सबसे बड़ी समस्या अशिक्षा है यदि समाज के लोग अशिक्षित होंगे तो वह अपना और समाज का विकास नहीं कर पाएंगे। आज के आधुनिक युग मे अशिक्षित लोगों का जीवनपन कठिन हो जाता है। अशिक्षा यह एक अभिशाप है जो कभी समाज को विकसित नहीं होने देगा। अशिक्षा ही वह कारण है जो आज हम धार्मिक भेदभाव करते है। अशिक्षा के कारण ही समाज मे समस्या उत्पन्न होती है। जातपात की समस्या भी हमारे समाज मे और देश मे नुकसान पहुंचा रही है। निम्न जाती के लोग अथवा गरीब लोगों को रोजगार बहुत मुश्किल से मिलता है या फिर मिलता ही नहीं है। बेरोजगारी यह बड़ी समस्या है रोजगार ना मिलने पर युवा परेशान होकर गलत मार्ग पर चले जाते है जिससे वह गैर कानूनी काम करने लगते है जिससे आतंकवादी ,तथा गुंडे जैसे आदि लोगों का जन्म होता है। समाज की एक समस्या आर्थिक व्यवस्था भी है। समाज मै आमिर और गरीब का बटवारा होता चला आ रहा है। आज देश की सबसे बड़ी समस्या की जड़ ज्यादातर युवाओ द्वारा अपने समय का दुरूपयोग ,तथा उनपर समाज के लिये नकारात्मक सोच जो उन्हें आगे बढने के लिए रोक रही है अपने आसपास हो रहे अपराध और भ्रष्टाचार को देखकर वह अपना कर्तव्य भूल गए है। समाज मे आज भी महिलाओं को सम्मान और अधिकार नहीं मिल पा रहा है जो उन्हें मिलना चाहिये। हमेशा उन्हें दबा कर रखा गया जिससे आज भी कुछ महिलाए अपने अधिकारों को जानती ही नहीं हमेशा महिलाओं पर अत्याचार होता है। जिसे आज भी रोकने मे हम नाकाम हुए है हर इन्सान को अपने समाज के प्रति कर्तव्य का पालन करना जरुरी है।

(गौरी गुप्ता)

पर्यावरणीय प्रदूषण

प्लास्टिक बैग का उपयोग कई कार्यो के लिए किया जाता है। प्लास्टिक बैग तो बाजार मे आसानी से मिलता है हलाकि इसका विस्तारण एक बड़ी समस्या है। प्लास्टिक हानिकारक है ये आसानी से नष्ट नही होता इसी वजह से प्रदुषण एक मुख्य कारण बन गया है,प्लास्टिक बैगो के हानिकारक प्रभाव से पर्यावरण को बचाने के लिए इनपर राज्य सरकार ने प्लास्टिक बंदी का प्रस्ताव रखा। बरसात के मौसम में प्लास्टिक की वजह से नाले जाम होते है और जगह जगह पर पानी भरने की समस्या शुरू होती है,जैसे रास्ता ,रेल्वे ट्रैक,आदि इसे देखते हुए सरकार ने इसकी बिक्री और इस्तेमाल पर १७ मार्च २०१२ को पूर्ण प्रतिबंद लगा दिया गया। इस फैसले से आम जनता मे कपडे के बैग इस्तेमाल करने की संख्या झट से बढ़ गयी यह फैसले से पर्यावरण का बड़ा फायदा हुआ और लोगों मे जागरूकता आ गई।

(मयूर जावले)

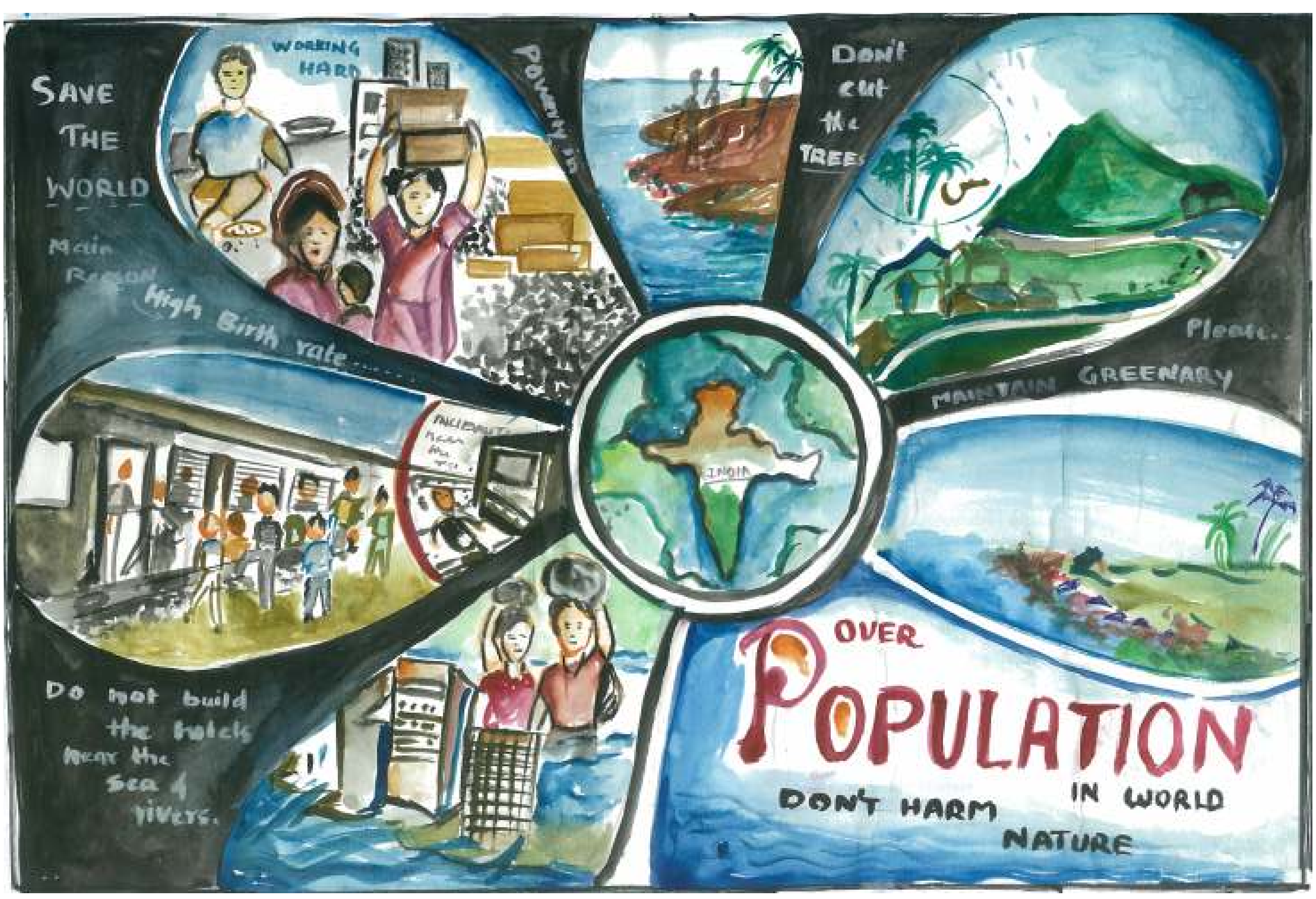

Corruption

In general, corruption is a form of dishonesty or criminal activity undertakes by a person or an organization entrusted with a position of authority, often to acquire illicit benefits. Corruption may include many activities including bribery and embezzlement, though it may also involve practices that are legal in many countries. Political corruption cases include office holder or other government employees' acts in an official capacity for personal gain. Corruption happens in many common places in states. Corruption can occur in different states. Corruption happens in different sectors and at various levels.

(Saloni Sharma)

आत्महत्या

हम २१ वी सदी मैं जी रहे है। हमारे महामानव से मानव बनने तक के सफर के दौरान बहुत सारे बदलाव हुए है और हो रहे है। हम हमारे आसपास देख रहे है की बहुत सारी सामाजिक समस्याऐ है। इसमे से एक बहुत बड़ी समस्या 'आत्महत्या" है ये शब्द सुनकर आपको सिर्फ किसान की याद आयी होगी पर अभी सबसे चर्चा और आश्चर्यजनक विषय है। तो वो युवा और बच्चो की आत्महत्या। हम हर रोज अखबार मैं एक ऐसी खबर पड़ते है और ऐसा बोलकर छोड़ देते है की बुजदिल होगा। पर हम उसके बारे मैं सोचते है क्या ? ऐसा क्या हुआ की उस व्यक्ति को इतना बड़ा कदम उठाना पड़ा और इस खबरों के आधारपर हमें इस सबका ज्ञान होने के बावजूत भी हम हमारे लोगों का ध्यान क्यु नहीं रखते ? तो हम सबसे पहले इसके कारणों को देखेगे हम जैसे बडे हो रहे होते है हम में शारीरिक और मानसिक बदलाव होते रहते है। हमारा स्वभाव हठ, आपस मैं गलत फैमी होना, इत्यादी और सबसे महत्वपूर्ण चीज दुरध्वनी और सोशल मीडिया जैसे की Whatsapp, Facebook इत्यादी विडियो गेम जैसे की अभी बहुत चर्चा मैं आ रहा है PUBG इन सभी का हम हमारे जिंदगी मैं किस तरहा उपयोग करते और किस तरह से आत्मसात करते है। इस सभी के हम इतने आधिन हो जाते है या फिर मनोरुग्न हो जाते है। ऐसा भी वह कह सकते है की हम वास्तव मैं जीने जगह हम अवास्तव मैं जीने लगते है। बस यही नही हम हमारे मन की बात या कोई भी समस्या हम किसीको नहीं बताते यहाँ तक हमारे अपने माँ–बाप को नहीं इन सभी लक्षणो की वजह से हम में चिडचिडापन आना ,छोटी–छोटी बात पर गुस्सा आना, कोई कोई तो शांत ही रहते है ,जैसे की अपने आपको पूरी तरह अन्दर बंद कर लेना और फिर इन सभी लक्षणो का फिर रूपांतर आत्महत्या में होता ह। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल ८ लाख लोग आत्महत्या करते है यानी की ४० सेकंड मैं एक व्यक्ति. इस चीज को कही तो रोख लगना चाहिए। इस लिए हमें सर्तक रहना चाहिए , हमे हमारे आसपास के लोगो का ध्यान रखना है और उनकी मदत करनी चाहिए वो कहते है ना "Prevention is better than cure".

(श्वेता पाटिल)

EDITORIAL BOARD

Savli CP Federation

Editorial Members:
Shweta Patil
Bhumika Fansekar
Mayur Jawle
Saloni Sharma
Gauri Gupta
Abhishek Bhatt

Gyansaathi CP Federation

Editorial Members:
Sultan Khan
Mushrata Shaikh
Nasreen Haldar
Sandeep Nishad
Altaf Alam Shaikh
Sayma Shaikh

Layout & Design
Roy Thomas

Message from Savli Staff

मै वर्षा मोहिते कारुण्य ट्रस्ट सावली प्रोजेक्ट मे पिछले तीन साल से कार्यरत हू। मै बहुत खुश हु की हमारे सावली प्रोजेक्ट मे बाल संसद का भी ग्रुप है। बाल संसद के बच्चे मेहनत के साथ सावली के कार्यक्रमों में अपना बहुमूल्य योगदान देते चले आ रहे है। समाज मे बदलाव लाने के कार्य मे भी अपना योगदान दे रहे है। मै धन्यवाद देना चाहती हु बाल संसद के सारे बच्चों को की उनका सावली के प्रति प्रेम और कर्तव्य ऐसें ही बरकरार रहे और समाज मे बदलाव लाने के लिए हमेशा तत्पर रहे जिससे सावली बाल संसद एक ऊँचाई पर चले जाये।

(वर्षा मोहिते)

Message from Savli Staff

I am glad to appreciate the CP members of Savli project for your great work. Especially during the period, you were there in the groups. I would also like to congratulate you guys for all your wonderful participation and support. You have given your precious time for all our events and programs. Along with this, I would like to wish you success in your career so that your future will be bright. Let all the happiness be with you always.

(Deepali shinde)

NEHA PRAJAPATI

Women play a very important role in shaping the destiny of our civilization, yet the girl child very often not only faces neglect and disparity but sometimes the greatest forms of discrimination. In India, traditions determine the very existence of a girl child. A large number of new-born girls are still being dumped in the garbage. Our society has often killed the young girls with their own hand even before their birth and following through infancy and childhood, discrimination against girl child is in several forms. Different forms of discriminations are nutrition deprivation by inadequate breast feeding, early marriage, inadequate food and unsatisfactory/delay medical care. Due to these forms of discrimination, there are documented cases of high morbidity and mortality among women. Female foeticide is perhaps the worst form of violence against women where most basic and fundamental right "The right to life" is denied. Traditionally the unwanted girl child was killed by poisoning the baby or simply by crushing her tender skill. We need to bring the change and most importantly actively working on motto "Save Girl Child".

(Bhumika Fansekar)

PRAJKTA GHADGE

Water is an important source for all creatures surviving in our planet earth. Water is being used in many ways. Some of the methods are as follows cooking foods, drinking purpose, washing clothes, vessels, motor vehicles, and many others, etc. Water is also useful for hygiene and cleanliness purpose. Usage of water is a broad concept. Very sad to say that it has been observed that people mostly in school, colleges and houses keep the water taps open often misused because of continuous availability of water, and due to that shortage of water happens. We must try to preserve as much water as we can. We should use water according to the needs and avoiding misuse. During festivals like Holi, Diwali, Ganesh Chaturthhi we use lots of water for cleaning purpose, we must take care that less amount of water is used in festivals. We should stop others from wasting water and we must advise them to preserve it. Before wasting water we must think of those people who do not have water available, not gets enough water for drinking, they travel from one place to another place in search of water. Without water life on earth cannot be imagine, we should reduce the suffering of people and we must "Save Water".

(Abhishek Bhatt)

AJIT GUPTA

CHANDAN JAISWAL

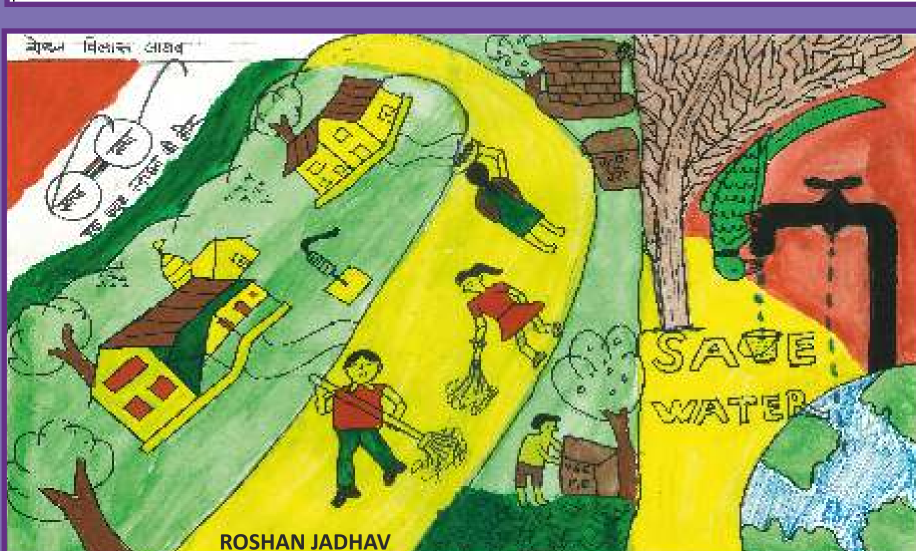

ROSHAN JADHAV

SONAL PANDEY

GAURI GUPTA

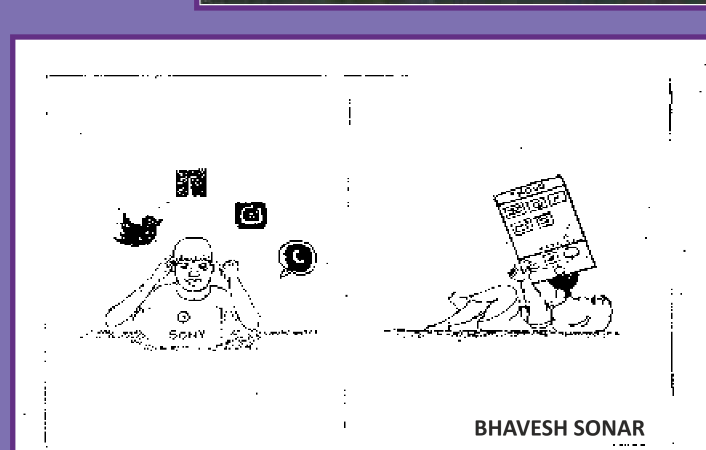

BHAVESH SONAR

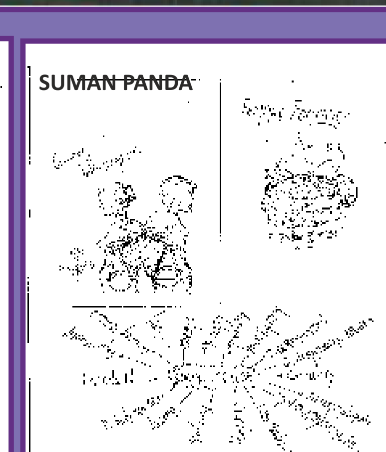
SUMAN PANDA

Vol.: 3 - Issue: 1

We are grateful towards Savli Karunya Trust for the fruitful visit to Traffic Park and Fire station. We got to know about various traffic signals, signs as well as safety measures in fire situation.
Hema Gupta - Savli Child

tHE tAKE oFF

JUNE 2019

CP exposure visit to children traffic park and fire station

Gyansaathi

Don't expect your friend to be a perfect person. but, help your friend to become a perfect person That's true friendship...

-Saint Mother Teresa

बाल विवाह

बाल विवाह आज भी हमारे देश में हो रहा है। जो माता पिता गरीब होते है वो बचपन में ही अपने बच्चो का विवाह कराते है। वो सोचते है की हमारी बेटी की शादी अभी हो या बाद में तो करनी है। तो अभी कर देते है! बाल योन शोषण के डर से माता पिता उनकी शादी जल्दी करा देते है। बाल विवाह करने से उस लड़की का बचपन खराब होता है। उसकी खेल ने कूदने की उम्र होती है, पर वो खेल नही पाती और उसका शिक्षा बंद करा देते है। इस कारण उस लड़की का भविष्य खराब हो जाता है। उस लड़की का कुछ सपना होता है। पर वो पूरा नहीं हो पाता! अगर हम बाल विवाह को रोक सके तो न जाने कितनी जिंदगी बच जायेगी। अगर बाल विवाह रोकना है, तो हमे अपनी और समाज की सोच बदलने की जरुरत है।

(सुल्तान खान)

बाल मजदूरी

बाल मजदूरी हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। १८ साल से नीचे बच्चे अगर, मजदूरी करते है तो उसे हम बाल मजदूरी कहते है। अगर कोई भी बच्चे से जबरदस्ती या मर्जी से अपने दुकान या घर में काम करवाता है तो वह बाल मजदूरी कहलाता है। कोई बालक अनाथ है, तो उस समय बच्चो को मजबूरी में बाल मजदूरी करना पड़ता है। उसे भी बाल मजदूरी कहा जा सकता है। बाल मजदूरी बहुत बड़ा अपराध है, इसे रोकना जरुरी चलिए हम कदम बढाते है। बाल मजदूरी खत्म करने की ओर...

(मुशरता शेख)

बाल यौन शोषण

बाल यौन शोषण हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। बाल यौन शोषण बहुत ही तेजी से हमारे देश में बढ रहा है। लोगो की सबसे बडी समस्या है, कि वह एक छोटी सी बात को बहुत बढ़ा–चढ़ा कर बोलते है। जिस लड़की के साथ बाल यौन शोषण होता है, उसे इस समाज में इज्जत नहीं दी जाती है। बल्कि उसे बुरा भला सुनाते है, और उनके माँ पिता को भी बुरा भला सुनाते है। बाल शोषण किसी के भी साथ हो सकता है। जिसके साथ भी बाल यौन शोषण होता है, उसे हार नहीं मानना चाहिए। सबसे पहले उसे जिसके ऊपर विश्वास है, या भरोसा है, जैसे पुलिस, टीचर, हमारे माता पिता, बहन भाई को बताना चाहिए। अगर हम चाइल्ड लाइन नंबर १०९८ पर फोन करते है और अपनी परेशानी बताएगें तो वो अपनी पूरी तरह से मदद करेंगे। हमें डरना नहीं चाहिए बल्कि हमेशा डर का सामना करना चाहिए। अगर आप कही, किसी के साथ बाल यौन शोषण होते देखते है, तो तुरंत चाइल्ड लाइन नंबर १०९८ पर सुचित करके पुलिस को बुलाना चाहिए। पुलिस हमारी मदद अवश्य करेगी।

(नसरीन हलदर)

AMBIYA SHAIKH

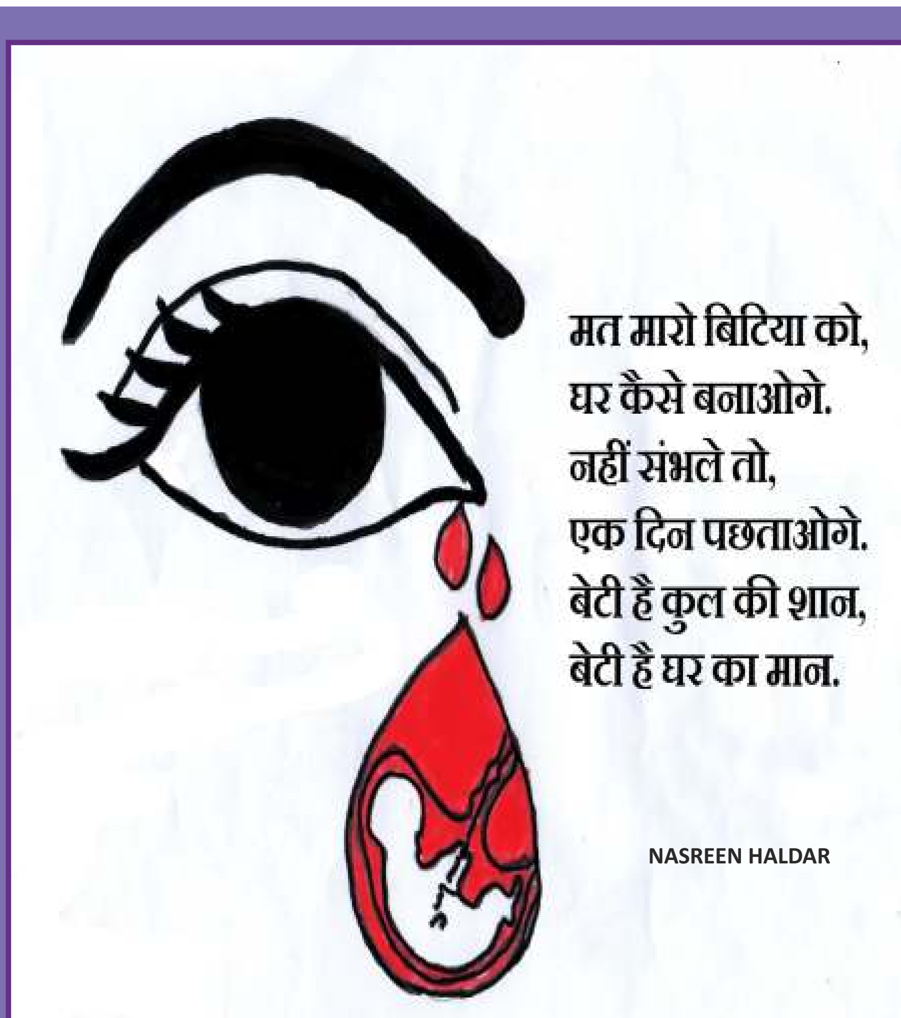

NASREEN HALDAR

SAMEER SHAIKH

TABASSUM KHAN

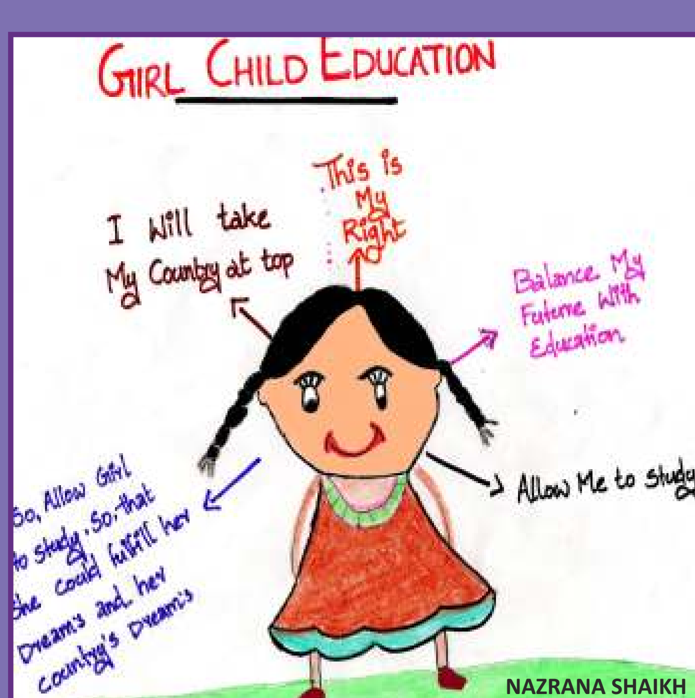

NAZRANA SHAIKH

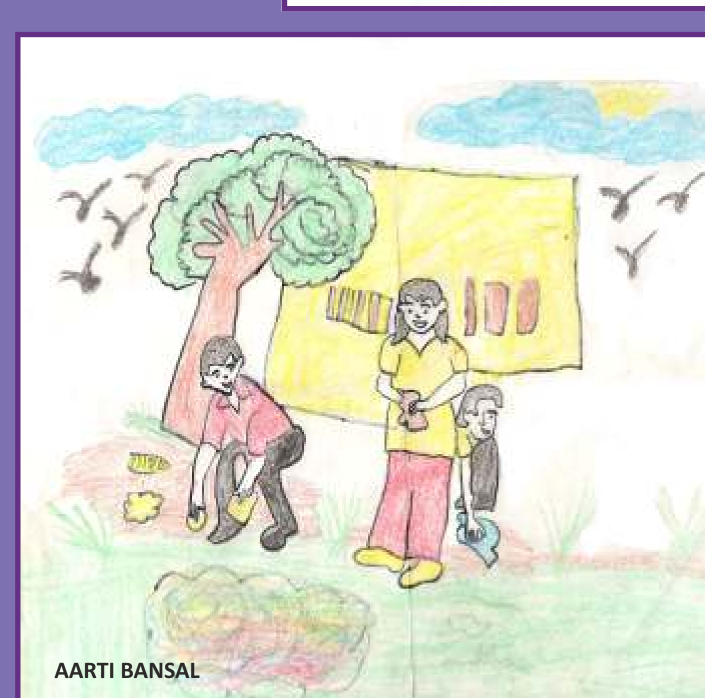

AARTI BANSAL

Vol.: 3 - Issue: 1

I am very thankful to Gyansaathi for giving me an opportunity to visit DB office. In my life I haven't seen such a big office. It's really inspired me.

Nasreen Haldar - Gyansaathi Child

tHE tAKE oFF

JUNE 2019

प्रदुषण

प्रदूषण के तीन प्रकार होते है, ध्वनी प्रदुषण, वायु प्रदुषण, जल प्रदुषण। ध्वनी प्रदूषण किसे कहते है? जिस घर या मोहल्ले में DJ तेज आवाज होता है, ढोल की आवाज, पठाखो की आवाज गाडियों की आवाज इसे ही हम ध्वनी प्रदूषण कहते है।

वायु प्रदूषण हवा में होता है। वायु प्रदुषण से वातावरण और हमारे ऊपर अनेक प्रभाव पड़ता है। मुंबई जैसे बड़े शहर में रोजाना होने वाला ट्रैफिक से गाडियों से निकलने वाला धुवा से लोगो को बहुत बिमारी होती है।

हमारे देश में आज भी जल प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। नदियों में लोग कूड़ा – कचरा डालते है, जानवरों को नहलाते है, कपडे धोते है। शहर का गंदा पानी साफ नदी के पानी में छोड़ते है। इससे वे पानी न पिने के लायक और न खेती के लायक होता है। अगर हमने जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ध्वनी प्रदूषण नहीं रोका तो यह दुनिया में रहना बहुत मुशकिल होगा।

(संदीप निषाद)

गरीबी

गरीबी हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। गरीबी की वजह से लोग भूख से अपनी जान गवा देते है। गरीबी की वजह से लोग झोपडी और सड़क पर रहते है। आज महँगाई इतनी बढ़ी है की लोग अनाज नहीं खरीद पाते, कई दिनों तक खाना नहीं खा पाते। गरीबी की वजह से बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। अपना पेट भरने के लिए वो होटल या चाय की टपरी पर भिख माँगते है। इससे बाल मजदूरी और बाल अपराध बढ़ जाता है! गरीबी की वजह से हमारे देश का विकास नहीं हो रहा है। आज महँगाई इतनी बढ़ गई है की लोग अपनी जरुरत पूरी नहीं कर पाते है। महँगाई बढती रहती है और गरीब ओर गरीब होता जा रहा है। अगर हमें हमारे देश का विकास करना है तो गरीबी को जड़ से मिटाना होगा।

(अल्फात आलम शेख)

महँगाई

महँगाई हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। महँगाई की वजह से आज हमारे देश में गरीबी बढ़ी है। महँगाई की वजह से खाने पीने की चीजे हम कम ले पाते है। अगर महँगाई कम हो जाए तो, इस देश में गरीबी पूरी तरह से मिट जाऐगी। महँगाई इतनी है की, आज हमारे देश में गरीब और गरीब होता जा रहा है और गरीबी की वजह से आज देश में बाल कामगार की संख्या बड़ी है। गरीबी की वजह से बच्चे पढ नहीं पाते। महँगाई की वजह से उनके घर में खाने के लिये कुछ नहीं होता, तो वो अपने बच्चो को कैसे पढ़ाएं? हमारी सरकार ने सरकारी स्कूल खोली है, गरीब बच्चो के लिये। पर वो बच्चे स्कूल पढने के लिए नहीं जाते। वो अपना घर संभाल ने के लिये काम पर जाते है। अगर महँगाई नहीं होती तो, इन बच्चो को काम नहीं करना पड़ता। तो चलो इस महँगाई और गरीबी को खत्म करते है। तो चलो बढाऐ पहिला कदम महँगाई कम करने की ओर...

(सायमा शेख)

" Poverty is not made by God, it is created by me and you when we don't share what we have

-Saint Mother Teresa

Message from Gyansaathi Coordinator

रफीक नगर जहा से कारुण्य संस्था २०११ से कचरा चुननेवाले समुदाय के साथ काम कर रही है। ये ऐसी जगह है जहा बच्चे घर के अंदर और घर के बाहर भी सुरक्षित नहीं है। बहुत सारे संस्था इस समुदाय के लिए काम कर रहे है। बच्चो को पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए हम बच्चों की संसद को लेकर बहोत गतिविधि करते है। लेकिन अब ऐसा सोचा की बच्चे क्यों ना अपनी सुरक्षा खुद करे और दुसरे बच्चो की भी सुरक्षा पर ध्यान दे। ज्ञानसाथी से ४० बच्चो को लेकर Animation And Renewal Centre (ARC) पनवेल में बच्चो के अधिकार का २ दिन का प्रशिक्षण हुआ। बच्चो को उनके सारे अधिकार के बारे में जानकारी मिली। इस अधिकार को ध्यान में रखकर बच्चो ने अधिकार का एक एक नेता को मतदान किया। इस चुनाव में सभी ४० बच्चो ने भाग लिया था। उसमे से ४ मिनिस्टर को चुना गया और बाल अधिकार संरक्षण समुदाय गठित किया गया। चारो अधिकार (जीने का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, सहभागिता का अधिकार, विकास का अधिकार) से एक –एक नेता को चुना गया। ये नेता इन अधिकार से जुड़े मामलो को देखने का निर्णय लिया।

प्रशांती वाघ

CP meeting

Mumbai Marathon

Annual Day

THANK YOU **KARUNYA TRUST** AND **DEUTSCHE BANK** FOR SUPPORTING AND MOTIVATING US TO LAUNCH OUR **FOURTH EDITION** OF "THE TAKE OFF". LOOKING FORWARD FOR YOUR SUPPORT IN OUR FUTURE ENDEAVOR...

KARUNYA TRUST CHILDREN PARLIAMENT FEDERATION